BPSM-162

कला स्नातक
राजनीति विज्ञान

सत्रीय कार्य 2025

BPSM -162

राजनीति विज्ञान संकाय, सामाजिक विज्ञान विद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-68

BPSM -162: भारतीय शासन एवं राजनीति

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

इग्नू (IGNOU) में मूल्यांकन के दो भाग होते हैं: i) सत्रीय कार्यों के माध्यम से सतत मूल्यांकन तथा ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परिणाम में, एक पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्यों का अधिमान 30% होता है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70% अधिमान दिया जाता है।

आपको तीन शिक्षक-चिह्नित सत्रीय कार्य (TMAs) करने होंगे, जिनके कुल अंक 100 हैं तथा उनका अधिमान 30% है। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में मुख्य पाठ्यक्रम **बी.पी.एस.एम. 162: भारतीय शासन एवं राजनीति**, जो कि एक चार-क्रेडिट पाठ्यक्रम है, के लिए तीन सत्रीय कार्य हैं।

सत्रीय कार्यों को हल करने का प्रयास करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि आप सभी सत्रीय कार्य प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर किसी विशेष खंड के लिए निर्धारित शब्द सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होने चाहिए। स्मरण रखें, सत्रीय कार्य प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा तथा यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेगा।

प्रस्तुतीकरण:

सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए आपको इन सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय के भीतर एक साथ जमा करना होगा।

यदि आप इस पाठ्यक्रम के लिए जुलाई 2024 में पंजीकृत हुए हैं, तो आपको ये सत्रीय कार्य 30 अप्रैल 2025 तक जमा करने होंगे। जो लोग जनवरी 2025 सत्र में इस पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत हुए हैं, उन्हें 31 अक्टूबर 2025 तक यह जमा करना होगा। तथापि, आपको सलाह दी जाती है कि अंतिम समय की हड़बड़ी से बचें और नियत तिथि से पहले सत्रीय कार्य जमा करें।

अन्य सभी सत्रीय कार्यों की तरह, इसे आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत किया जाना चाहिए। आपका क्षेत्रीय केंद्र आपको अपनी वेबसाइट पर इस सत्रीय कार्य को ऑनलाइन जमा करने की अनुमति दे सकता है। ऑनलाइन जमा करने की सुविधा उपलब्ध है या नहीं, यह जांचने के लिए कृपया अपने क्षेत्रीय केंद्र की वेबसाइट देखें।

सत्रीय कार्यों की एक छायाप्रति सदैव अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र/क्षेत्रीय केंद्र आपको सत्रीय कार्य लौटा देंगे।

हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में उल्लिखित प्रत्येक श्रेणी के दिशानिर्देशों के अनुसार देंगे। निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना आपके लिए सहायक होगा:

1. **योजना:** सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ बिंदु बनाएं और फिर उन्हें तार्किक रूप से पुनर्व्यवस्थित करें।
2. **संगठन:** अपने उत्तर की एक कच्ची रूपरेखा तैयार करने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक बनें। अपनी प्रस्तावना एवं निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें।

   सुनिश्चित करें कि आपका उत्तर:

   क) तार्किक और सुसंगत हो;

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हों; तथा

   ग) यह सही ढंग से लिखा गया हो, जिसमें आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान दिया गया हो।
3. **प्रस्तुति:** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएं, तो आप जमा करने के लिए अंतिम संस्करण को साफ-सुथरे ढंग से लिख सकते हैं। सुनिश्चित करें कि उत्तर निर्धारित शब्द सीमा के भीतर हो।

शुभकामनाओं के साथ **राजनीति विज्ञान संकाय**

BPSM-162: भारतीय शासन एवं राजनीति

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड: BPSM-162

सत्रीय कार्य कोड: BPSM-162/ASST/TMA/2025

अधिकतम **अंक:**100

निर्देश: तीनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर दें तथा उन्हें एक साथ जमा करें।

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

1. भारतीय संसद को संविधान में संशोधन करने की शक्तियों का विश्लेषण कीजिए।
2. भारत में ट्रेड यूनियन आंदोलन की सीमाओं का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

सत्रीय कार्य – II

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

3. लैंगिकता एवं विकास के मध्य संबंध का विवेचन कीजिए।
4. भारत के राष्ट्रपति की विधायी शक्तियों को स्पष्ट कीजिए।
5. राज्यसभा की विशेष शक्तियों और कार्यों पर चर्चा कीजिए।

सत्रीय कार्य – III

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है।

6. न्यायिक पुनरावलोकन की संकल्पना को परिभाषित कीजिए और समझाइए।
7. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 20 और 21 का महत्व क्या है?
8. भारतीय संसदीय प्रणाली में सामूहिक उत्तरदायित्व की संकल्पना किस प्रकार कार्य करती है?
9. भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
10. संसद की प्रक्रिया में प्रश्नकाल क्या होता है और इसका उद्देश्य क्या है?